INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते

भारत

Rs 500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

| | |
|---|---|
| १. भेरंपकारी का नाम वो पूरा पता | श्री अब्दुल गफ्फार खाँ पिता स्वर्गीय वहाब खाँ जाति पैठान निवास ग्राम सहिजना अंचल वो थाना गढ़वा प्रगणा वो जिला पलामू। वर्तमान निवास शहर डालटनगंज अंचल वो थाना डालटनगंज जिला पलामू। व्यवसाय कृषिकार्य। राष्ट्रीयता भारतीय। शपथ पत्र सं. १५२ दिनांक २१. ३. ८९ विक्रेता। |
| २. भैलकधारी का [illegible] पता | श्री सुरेन्द्र तिवारी आत्मज श्री लक्ष्मी तिवारी जीवित, जाति ब्राह्मण निवास ग्राम [illegible] पलां अंचल वो थाना गढ़वा |

Abdul Ghaffar Khan
21-3-87

Judicial Stamp

for

Garhwa

عبدالغفار خان

تاریخ ١٨-٣-٢١

500×2 = 1000

100×3 = 300

60×1 = 60

1360

10.3.87

عبدالغفار خان

١٨-٣-٣١

अमानुल्लाह खाँ

ता॰ 29.3.26

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. — Rs 500

सत्यमेव जयते — भारत

पाँच सौ रुपये — FIVE HUNDRED RUPEES

३.

परगना वो जिला पलामू। व्यवसाय कृषि कार्य। राष्ट्रीयता भारतीय। शपथ पत्र सं० १५३ – दिनांक २१. ३. ८९ . . . . क्रेता।

| | |
|---|---|
| ३. लेख्य प्रकार :- | विक्रय-पत्र (कबाला बयला कलामी) Sale deed. |
| ४. मूल्य :- | २०,०००/०० कुल मूल्य केवल बीस हजार रुपया मात्र। |
| ५. सम्पत्ति :- | 0.07½ कुल सम्पत्ति केवल सात पूर्णांक एक बटा दो डिसमिल, देशी नाप दो कट्ठा जमीन धान खेत II ग्राम सहिजना अंचल वो थाना गढ़वा, के अन्तर्गत अवस्थित है जिसका पूरा विवरण नीचे दिया गया है। |

जमीन का पूरा विवरण

ग्राम सहिजना अंचल वो थाना गढ़वा अवर निबन्धन कार्यालय गढ़वा, जिला निबन्धन कार्यालय डालटनगंज परगना वो जिला पलामू नगर पालिका गढ़वा के अन्तर्गत हकियत रैयती मौरूसी सम्पत्ति पार्ट होल्डिंग किसी

سی عبدالحق خان
२१-३-८९

गवाह : ...
२१.३.८९

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.    Rs 100

एक सौ रुपये   ONE HUNDRED RUPEES

३.

करते हैं।

| तौजी नं० | खेवट नं० | थाना नं० |
|---|---|---|
| १२८ बी० | १ | ३४५ |

| खाता नं० | प्लॉट नं० | क्षेत्रफल | चौहद्दी |
|---|---|---|---|
| १२१ | ५८ | ०.०७ 1/2 | उ० श्रीमति किशोरी देवी<br>द० विनोद तिवारी<br>पू० श्रीमति पुष्पा सिंह<br>वो श्रीमति मनो मोहिनि<br>प० बिक्रेता द्वारा छोड़ा<br>आया १० फीट चौड़ा रास्ता |
| (एक सौ सताईस) | (अनठावन) | (सात सात) | |

योग - १ — १ — ०.०७ 1/2 (सात पूर्णांक एक बटा दो डिसमिल जमीन बिक्री करते हैं)

वार्षिक राजस्व ०.०७ सात पैसा मात्र। नाम मालिक - बिहार सरकार राजस्व विभाग द्वारा अंचल पदाधिकारी गढ़वा, जिला पलामू।

जमीन का विस्तार

उत्तर से दक्षिण ६६ कड़ी एवं पूरब से पश्चिम ११३ कड़ी जमीन बिक्री करते हैं।

इस समय मुझे अपने भवन का निर्माण करना नितान्त आवश्यक है, साथ ही साथ अपने लगाव में दूसरे जगह

سی عبدالحفیظ خان
۱۸-۳-۷۱ تاریخ

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs. 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रूपये ONE HUNDRED RUPEES

४

भूमि खरीदने के लिए भी रुपये की -
अति आवश्यकता है। साथ ही कई अन्य
आवश्यक कार्यों को करने के लिए भी रुपये
की काफी जरूरी है, और इस समयमेरे
पास रुपये का काफी आभाव है। ऐसी
स्थिति में मैं उपर खाना ५ (पाँच) में
वर्णित अपने हिस्से की जमीन को बिक्री
करके उपर वर्णित सभी कार्यों को करलेना
उचित समझा, जिसके लिए मैंने उपर खाना
५ (पाँच) में वर्णित जमीन (सम्पत्ति) को
बेचने की घोषणा की, जिसे सुनकर उपर
लिखे लेख्यधारी श्री सुरेन्द्र तिवारी ने इसे आज
के चालू बाजार दर पर खरीदने की पूर्ण
स्वीकृति प्रदान की। इसमें वर्णित सम्पति
का इससे अधिक मूल्य कोई अन्य व्यक्ति
देने को तैयार नहीं हुए।

अतः मैंने अपनी इच्छा से
अपने शरीर वो मन की स्वस्थता में —

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

५

उपर खाना ५ (पांच) में वर्णित जमीन
(सम्पत्ति) को उपर लिखे लेखधारी
श्री सुरेन्द्र तिवारी के हाथ केवल 20,000/=
बीस हजार रुपया मात्र के मूल्य पर बिक्री
किया, तथा इसमें वर्णित सम्पत्ति का-
सभी प्रकार का अधिकारादि उपर लिखे
लेखधारी को हस्तांतरित कर दिया।
आज दिनांक 11-3-1987 ई. से ही अब इस
सम्पत्ति पर न मेरा किसी प्रकार का अधिकार
रहा और न मेरे किसी भी उत्तराधिकारी
या स्थानापन्न का ही। विदित हो कि
इस विक्रय-पत्र को निबन्धन कार्यालय से
निकालने वाला पुर्जा (रसीद) का लेखधारी
के हाथ में जाना ही इसके पूरे मूल्य का -
भुगतान समझा जायेगा।

मैं घोषित करता हूँ कि उपर खाना
५ (पांच) में वर्णित जमीन मुझे अपने-
पारिवारिक बंटवारे में निबन्धित खेवट
संख्या ४८६ दिनांक 10-7-92 के द्वारा

مسمی عبدالغفار خان
تاریخ ۱۱-۳-۸۷

6.

वंशक्रमानुगत (मौरूसी) होते हुए भी प्राप्त है, जिसका राजस्व मांग भी मेरे ही नाम से ग्राम सहिजना के जमाबन्दी बही के पृष्ठ सं० 180/II में चलता है। इसमें कथित जमीन (सम्पत्ति) पर मेरा निर्विवाद अधिकार की शांतिपूर्ण दखल कब्जा है। तथा उस-सम्पत्ति पर किसी प्रकार का ऋणभार एवं वाद-विवाद की झगड़ा-झंझट भी नहीं है साथ ही मेरा नाम सिलिंग सूचि में भी नहीं है। विदित हो कि इस विक्रय के साथ संलग्न नक्शे में बिक्री की गई-जमीन का पूरा विवरण दिखाया गया है।

इसलिए मैंने यह विक्रय-पत्र (केवाला पक्का कलामी) लिख दिया कि प्रमाण रहे जो समय पर काम-आवे।

आज दिनांक - 11 - 3 - 1979 ई०

लिखित पढ़कर उपर पक्षों को सुना व समझा दिया।
लिपिका: उमेश प्रसाद श्रीवास्तव
डालटेनगंज, पलामू
दिनांक = 11/3/1979 ई०